बी0ए0– प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर) नई शिक्षा नीति– 2020 के पाठ्यक्रमानुसार
विषय – राजनीति विज्ञान
पाठ्यक्रम का शीर्षक – ''भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत का संविधान''

इकाई –1 ''भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का जन्म, विकास एवं विचारधाराएं''

1. 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा भारत वर्ष देश की देन है।
2. 1857 की क्रान्तिकारी गतिविधियों को मुख्य रुप से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रुप में जाना जाता है।
3. प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की असफलता का प्रमुख कारण संगठित एवं सुनियोजित रुप में न होना था।
4. प्लासी का युद्ध 23 जून, 1757 में हुआ था।
5. रेग्यूलेटिंग एक्ट 1773 में पारित हुआ था।
6. 'हड़प नीति' का कड़ाई से पालन – 'लार्ड डलहौजी' द्वारा कराया गया
7. सन् 1784 में 'पिट्स इण्डिया एक्ट' पारित हुआ था।
8. 'सती प्रथा' का विरोध ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने किया था।
9. दयानन्द सरस्वती ने 'वेदों की ओर लौटो' का सन्देश दिया था।
10. 'इलबर्ट बिल विवाद' का सम्बन्ध मुख्य रुप से– ''न्यायालयों में अंग्रेजों के विवादों को सुनने का अधिकार भारतीय न्यायाधीशों को भी देने से'' था।
11. 18 दिसम्बर, 1885 में काँग्रेस का जन्म मुम्बई में हुआ।
12. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का प्रथम अधिवेशन 'मुम्बई' में हुआ।
13. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का जनक 'ए0 ओ0 ह्यूम' था।
14. 'संवैधानिक उपायों का सहारा लेना एवं अंग्रेजों की न्यायप्रियता में विश्वास रखना' उदारवादी राष्ट्रवादियों की नीति थी।

भारत में ब्रिटिशराज

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

15. उदारवादियों की नीतियों का लार्ड कर्जन जैसे वायसरायों पर यह प्रभाव पड़ा कि वे (अंग्रेज) उनकी परवाह किये बगैर भारतीयों के साथ मनमाना व्यवहार करने की नीति में विश्वास करते थ।
16. उदारवादियों का भारतीय राजनीति में प्रमुख योगदान यह था– ''राष्ट्रीय चेतना की जागृति हेतु उन्होंने देश को एक राष्ट्रीय मंच दिया था।''
17. उदारवादी युग 1885 से 1905 तक माना जाता है।
18. बंगाल का विभाजन (बंगभंग) 19 जुलाई, 1905 में हुआ।
19. 'इण्डियन कौंसिल एक्ट' 1892 में पारित हुआ था।
20. बंगाल विभाजन के समय 'लार्ड कर्जन' भारत में वायसराय था।
21. 1875 में 'इण्डिया लीग' नामक संस्था गठित की गयी थी।
22. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के प्रथम अध्यक्ष 'वोमेश चन्द्र बनर्जी' थे।
23. ''1906 से 1919'' तक उग्रराष्ट्रवादियों का युग माना जाता है।
24. गोपाल कृष्ण गोखले सरेन्द्र नाथ बनर्जी, फिरोजशाह मेहता उदारवादी विचारधारा के पोषक थे।
25. काँग्रेस पर उदारवादियों का प्रभुत्व – 1885 से 1905 तक रहा।
26. 'प्रशासकीय गुप्तता अधिनियम' 1904 में पारित हुआ।
27. विपिन चन्द्रपाल उग्रवादी विचारधारा के पोषक थे।
28. बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय उग्रवादी विचारधारा के थे।
29. ''स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।'' यह कथन लोकमान्य तिलक का है।
30. तिलक द्वारा महाराष्ट्र में 'गणपति उत्सव' नामक धार्मिक उत्सव के आयोजन की परम्परा डाली गयी।
31. 'द ओरियन' नामक पुस्तक के लेखक – 'बाल गंगाधर तिलक हैं।
32. 'यंग इण्डिया' नामक पुस्तक के लेखक – 'लाला लाजपत राय हैं।
33. वर्ष 1898 में पूना में फैले प्लेग के समय प्लेग कमिश्नर 'मिस्टर रेण्ड' थे।
34. ''अधिक दरिद्रता और आर्थिक असन्ताष क्रान्ति के जन्मदाता''– लार्ड बेकन का कथन है।

महिला स्वतन्त्रता सेनानी

35. 'मॉर्ले–मिण्टो सुधार अधिनियम' 1909 में पारित हुआ।
36. 'काँग्रेस – लीग समझौता' 1916 में हुआ।
37. असहयोग आन्दोलन – महात्मा गांधी द्वारा 1920 में प्रारम्भ किया गया।
38. सविनय अवज्ञा आन्दोलन वर्ष 1930 से सम्बन्धित है।
39. भारत छोड़ो आन्दोलन वर्ष 1942 से सम्बन्धित है।
40. 'स्वराज्य पार्टी' का जन्म सन् 1923 में हुआ।
41. साइमन कमीशन भारत में 1928 में आया था।
42. नेहरु रिपोर्ट का मूल उद्देश्य– भारत के उत्तरदायी शासन की स्थापना के लिए संवैधानिक मसौदा तैयार करना था।
43. सविनय अवज्ञा आन्दोलन का प्रारम्भ दाण्डी यात्रा से हुआ था।
44. 'पूना पैक्ट' 1933 में सम्पन्न हुआ।
45. 'पूना पैक्ट' का सम्बन्ध मूलतः अछूतों को विशिष्ट आरक्षण प्रदान करने से था।
46. होमेरुल आन्दोलन का जन्मदाता 'श्रीमती ऐनी बेसेण्ट' थीं।
47. असहयोग आन्दोलन का स्वरुप– शान्तिपूर्ण एवं अहिंसात्मक था।
48. असहयोग आन्दोलन का अचानक– 'अहिंसात्मक स्वरुप को बनाये रखने के लिए स्थगित किया गया।
49. खिलाफत आन्दोलन का सम्बन्ध – ''तुर्कों के खलीफा की सत्ता की पुनः स्थापना से था।''
50. खिलाफत आन्दोलन का गांधी जी ने सहयोग किया था।
51. असहयोग आन्दोलन को स्थगित करने का प्रस्ताव 'बारदौली' में पारित हुआ।
52. असहयोग आन्दोलन के स्थगन का प्रमुख प्रभाव– काँग्रेस के विघटन से उत्पन्न हुए 'स्वराज्य दल' के रुप में सामने आया।
53. भारत छोड़ो आन्दोलन के प्रस्ताव को 08 अगस्त 1942 को मंजूरी प्राप्त हुई।
54. 1935 के भारत शासन अधिनियम में 'द्वैध शासन' केन्द्रीय स्तर पर लागू किया गया था।
55. कैबिनेट मिशन के सदस्य थे – 'सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, सर ए0वी0 एजेक्जेसर, सर पैथिक लॉरेन्स''।

भारत के स्वतन्त्रता सेनानी

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

56. कैबिनेट मिशन भारत में 24 मार्च, 1946 को आया था।
57. :माउण्टबेटन प्लान' वायसराय माउण्टबेटन की देन थी।
58. 'भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम' 18 जुलाई, 1947 को पारित हुआ।
59. लार्ड मॉउण्टबेटन योजना– 3 जून, 1947 को प्रस्तुत की गयी।
60. भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम ब्रिटिश पार्लियामेण्ट में 04 जुलाई, 1947 को प्रस्तावित किया गया।
61. लार्ड माउण्टबेटन ने गवर्नर जनरल के रुप में अपना कार्यभार 23 मार्च, 1947 को सँभाला।
62. ''भारत पर ब्रिटिश प्रभुत्व का काल आज समाप्त होता है और अब ब्रिटेन के साथ हमारा अपना सम्बन्ध समानता, पारस्परिक सद्भावना और पारस्परिक लाभ के आधार पर रहेगा।'' यह डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा।
63. भारतीय संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना के अन्तर्गत हुआ।
64. संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष डॉ0 सच्चिदानन्द सिन्हा थे।
65. संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद थे।
66. संविधान सभा के प्रारुप समिति के अध्यक्ष डॉ0 बी0 आर0 अम्बेडकर थे।
67. संविधान निर्मात्री सभा का प्रथम अधिवेशन 09 दिसम्बर, 1946 को प्रारम्भ हुआ।
68. संविधान निर्मात्री सभा के संवैधानिक सलाहकार डॉ0 बी0 एन0 राव थे।
69. संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान कब पारित हुआ– 26 जनवरी, 1949 को।
70. भारतीय संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ।
71. पं0 जवाहर लाल नेहरु ने 13 दिसम्बर, 1946 को अपने उद्देश्य प्रस्ताव को प्रस्तुत कर संविधान की आधारशिला रखी।
72. भारतीय संविधान का सबसे बड़ा स्त्रोत 1935 का भारत शासन अधिनियम था।

गोल मेज सम्मेलन

1857 का विद्रोह